७. अकथ कथ्यौ न जाइ

– *संत नामदेव*

राम नाम षेती राम नाम बारी ।।
हमारै धन बाबा बनवारी ।।टेक।।
या धन की देषहु अधिकाई ।
तसकर हरै न लागै काई ।।१।।
दहदिसि राम रह्या भरपूरि ।
संतनि नीयरै साकत दूरि ।।२।।
नामदेव कहै मेरे क्रिसन सोई ।
कूंत मसाहति करै न कोई ।।३।।

राम सो नामा नाम सो रामा ।
तुम साहिब मैं सेवग स्वामा ।।टेक।।
हरि सरवर जन तरंग कहावै ।
सेवग हरि तजि कहुं कत जावे ।।१।।
हरि तरवर जन पंषी छाया ।
सेवग हरिभजि आप गवाया ।।२।।

जन नामदेव पायो नांव हरी ।
जम आय कहा करिहै बौरे ।
अब मोरी छूटि परी ।।टेक।।
भाव भगति नाना बिधि कीन्ही ।
फल का कौन करी ।
केवल ब्रह्म निकटि ल्यौ लागी ।
मुक्ति कहा बपुरी ।।१।।
नांव लेत सनकादिक तारे ।
पार न पायो तास हरी ।
नामदेव कहै सुनौ रे संतौ ।
अब मोहिं समझि परी ।।२।।

परिचय

जन्म : १२७०, सातारा (महाराष्ट्र)
मृत्यु : १३५०, पंढरपुर (महाराष्ट्र)
परिचय : संत नामदेव का महाराष्ट्र में वही स्थान है जो संत कबीर अथवा संत सूरदास का उत्तर भारत में है । विठ्‌ठल भक्ति आपको विरासत में मिली । आपका संपूर्ण जीवन मानव कल्याण में समर्पित रहा । आप अपनी उच्चकोटि की आध्यात्मिक उपलब्धियों के लिए विख्यात हुए । विश्व में आपकी पहचान 'संत शिरोमणि' के रूप में है । आपने पंजाबी, मराठी और हिंदी में रचनाएँ की हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : संत नामदेव की 'अभंग गाथा' (लगभग २५०० अभंग) प्रसिद्‌ध हैं । आपने हिंदी भाषा में भी कुछ अभंगों की रचना (लगभग १२५) की है ।

पद्‌य संबंधी

प्रस्तुत पदों में संत नामदेव ने 'राम नाम' की महिमा का गुणगान किया है। संत नामदेव का कहना है कि 'राम नाम' का जाप ही खेती-बारी है। 'राम नाम' ही जीवन का आधार है। इसी 'राम नाम' का जाप ऋषि-मुनि करते रहते हैं। इसी नाम का जप और श्रवण द्‌वारा जीवन-मरण से मुक्ति मिल सकती है।

रामनाम जपिबौ श्रवननि सुनिबौ ।
सलिल मोह मैं बहि नहीं जाईबौ ।।टेक।।
अकथ कथ्यौ न जाइ ।
कागद लिख्यौ न माइ ।
सकल भुवनपति मिल्यौ है सहज भाइ ।।१।।
राम माता, राम पिता, राम सबै जीव दाता ।
भणत नामईयौ छीपै ।
कहै रे पुकारि गीता ।।२।।

— ० —

शब्द संसार

षेती स्त्री. सं.(दे.) = खेती, कृषि	**पंषी** पुं.सं.(दे.) = पंछी, पक्षी
देषहु क्रि.(दे.) = देखना	**जम** पुं.सं.(दे.) = यमराज
सेवग पुं.सं.(दे.) = सेवक	**बौरे** पुं.सं.(दे.) = नादान
सरवर पुं.सं.(दे.) = तालाब, सरोवर	**बपुरी** वि.(दे.) = तुच्छ, बेचारी

स्वाध्याय

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) संत नामदेव का ईश्वर के साथ रिश्ता इन उदाहरणों द्‌वारा व्यक्त हुआ है :

(२) पद्‌य में इस अर्थ में आए शब्द :
१. जल = ...
२. कान = ...
३. वृक्ष = ...
४. दिशा = ...

(३) लिखिए :
१. पद्‌य में प्रयुक्त कृष्ण के नाम
२. नामदेव जी द्‌वारा दी गई सीख

(४) पद की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए :

उपयोजित लेखन

निम्नलिखित सुवचन पर आधारित कहानी लिखिए :
'स्वास्थ्य ही संपदा है ।'